हैजा

प्रलिम्सि के लयिे:

हैजा, वशि्व स्वास्थ्य संगठन (WHO), वब्रियिो कॉलरी, ओरल हैजा वैक्सीन (OCV), तीव्र दस्त संबंधी बीमारी।

मेन्स के लयिे:

हैजा, इसके कारण और संबंधति पहल, स्वास्थ्य।

स्रोत:द हदिू

चर्चा में क्यों?

वशि्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के साप्ताहकि महामारी वज्ञान रकिॉर्ड के अनुसार, वशि्व में वर्ष 2022 में हैजा के मामले वर्ष 2021 की तुलना में दोगुने से भी अधकि दर्ज़ कयि गए।

- यह वृद्धि **वर्ष 2030 तक वैश्वकि हैजा से होने वाली मौतों को 90% तक कम करने के लयि वर्ष 2017 में** नर्धारति WHO के महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य के लयि एक बड़ी चुनौती प्रस्तुत करती है।

हैजा:

- **परचिय:**
  - हैजा एक जल-जनति रोग है जो मुख्य रूप से **बैक्टीरयिा** (जीवाणु) **वब्रियिो कॉलरी स्ट्रेन O1 और O139 के कारण** होता है, जो वशि्व में एक महत्त्वपूर्ण सार्वजनकि स्वास्थ्य चुनौती है।
    - स्ट्रेन O1 प्रकोप का प्रमुख कारण है, O139 की घटनाएँ दुर्लभ हैं साथ ही एशयिा तक ही सीमति हैं।
  - यह आंत के संक्रमण के कारण होने वाली एक तीव्र दस्त संबंधी बीमारी है।
  - संक्रमण अक्सर हल्का अथवा बनिा लक्षण वाला होता है, लेकनि कभी-कभी गंभीर भी हो सकता है।
- **लक्षण:**
  - अत्यधकि पानी जैसा दस्त, उल्टी, पैर में ऐंठन
- **संचरण:**
  - कसिी व्यक्ति को हैजा, दूषति जल पीने अथवा भोजन खाने से हो सकता है।
  - सीवेज एवं पेयजल के अपर्याप्त उपचार वाले क्षेत्रों में यह रोग तेज़ी से फैल सकता है।
- **टीका:**
  - वर्तमान में तीन WHO पूर्व-योग्य ओरल हैजा वैक्सीन (OCV), डुकोरल, शांचोल और यूवचिोल-प्लस हैं। पूर्ण सुरक्षा के लयि सभी तीन टीकों को दो खुराक की आवश्यकता होती है।

हैजा के मामलों में वृद्धि के ज़म्मिेदार कारक:

- **कोवडि महामारी प्रतबिंधों में कमी:**
  - कोवडि-19 महामारी प्रतबिंधों में कमी से हैजा का व्यापक प्रसार हुआ है। स्वास्थ्य से कमज़ोर आबादी की पर्याप्त देखभाल प्रदान करने में सीमति नवेश, **जलवायु परवि्रतन के प्रभाव** एवं बढ़ते संघर्षों ने स्थतिि को और भी अधकि गंभीर बना दयिा है।
- **अपर्याप्त स्वच्छता:**
  - हैजा संचरण और स्वच्छ जल और स्वच्छता सुवधिाओं तक अपर्याप्त पहुंच के परणिामस्वरूप सहजीवी संबंध एक महत्त्वपूर्ण कारक है। वशिेष रूप से वब्रियिो कॉलेरी बैक्टीरयिा **कम लवणता वाले गर्म पानी में पनपते हैं,** जलवायु परवि्रतन से प्रेरति बाढ़, **हीटवेव**, तीव्र मानसूनी बारशि, तूफान और लंबे समय तक गर्म अवधि के कारण स्थतियाँ तीव्र हो जाती हैं।

- **वब्रियिो रोगजनकों और माइक्रोप्लास्टक्सि:**
  - जून 2023 में फ्लोरडिा वश्विवद्यिालय के शोध के अनुसार, वब्रियिो रोगजनकों में**माइक्रोप्लास्टक्सि पर भी पनपने की एक अनूठी क्षमता** होती है, जो संभावति रूप से समुद्र में भी इस वातावरण के अनुकूल हो जाते हैं।
  - वब्रियिो बैक्टीरयिा और माइक्रोप्लास्टक्सि के बीच यह अंतः क्रयिा हैजा संचरण के एक अतरिक्ति आयाम का प्रतीक है, जसिके लयि आगामी जाँच और नीतगित वचिारों की आवश्यकता है।
- **जलवायु परविर्तन और हैजा संचरण:**
  - द लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ में वर्ष 2021 में प्रकाशति एक अध्ययन इस बात पर बल देता है कि जलवायु परविर्तन कसि प्रकार हैजा संबंधी चतिाओं को बढ़ा रहा है।
  - यह अनुमान लगाया गया था कि वर्ष 2100 तक वर्ष 1850 से 2014 तक के आंकड़ों की तुलना में 38,000 कमिी. अधकि समुद्री क्षेत्र वब्रियिो बैक्टीरयिा के वकिास के लयि अनुकूल हो जाएगा।

भौगोलकि वतिरण और हैजा की प्रवृत्तयिाँ:

- हैजा के **अधकिांश मामले लगातार अफ्रीका और एशयि** से सामने आते हैं, **यूरोप में छटिपुट रूप से "आयातति मामले"** सामने आते हैं।
- वर्ष 2022 में अफ्रीका में हैजा की घटनाएँ वर्ष 2021 की तुलना में कम थीं, कसिी भी देश ने सभी मामलों में 25% और सभी मौतों में से 30% से अधकि की रपिोर्ट नहीं की थी।
  - **हालाँकि यह सुधार नाइजीरयिा के अलावा अन्य देशों के मामलों और मौतों की तीन गुना वृद्धि के कारण स्पष्ट नहीं है, जहाँ वर्ष 2021 में गंभीर हैजा का प्रकोप देखा गया था।**
- **बढ़ते मामलों का एक समान पैटर्न एशयि में देखा गया**, वशिेष रूप से लेबनान, सीरयिा और अफगानस्तिान जैसे देशों में।

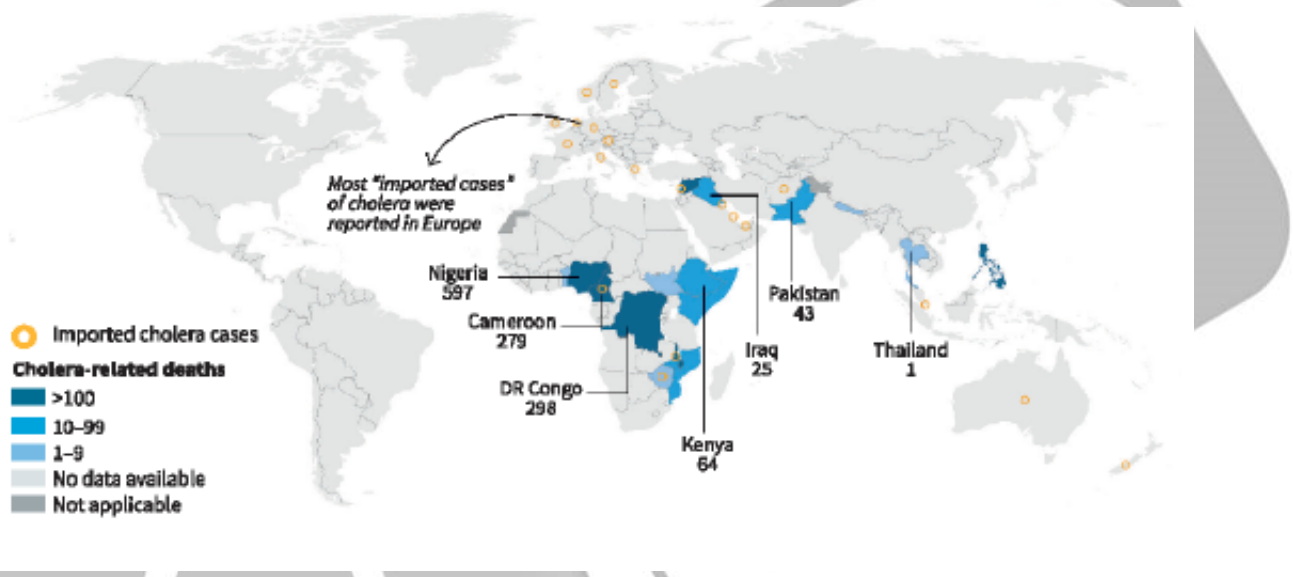

//

हैजा पर अंकुश लगाने के लयि पहलें:

- **हैजा नयिंत्रण पर एक वैश्वकि रणनीति, हैजा को समाप्त करना:** वर्ष 2030 तक एक वैश्वकि रोडमैप, हैजा से होने वाली मौतों को 90% तक कम करने के लक्ष्य के साथ वर्ष 2017 में लॉन्च कयि गया था।
- **हैजा नयिंत्रण के लयि वैश्वकि कार्य बल (GTFCC):** WHO ने हैजा उन्मूलन में अपने कार्य को मज़बूत करने के लयि हैजा नयिंत्रण के लयि वैश्वकि कार्य बल (GTFCC) को पुनर्जीवति कयि।
  - GTFCC का उद्देश्य हैजा को नयिंत्रति करने के लयि साक्ष्य-आधारति रणनीतयिों के बढ़ते कार्यान्वयन का समर्थन करना है।

- वश्वि स्तर पर हैजा के बढ़ते बोझ को संबोधति करने के लयि **अनुशंसति मौखकि हैजा वैक्सीन आहार** में अनुकूलन कयि गया है।
- बड़े पैमाने पर वनिर्माण नविश के सफल होने की प्रतीक्षा करते हुए, मौखकि हैजा वैक्सीन के लयि आपातकालीन भंडार के प्रबंधन ने टीकाकरण व्यवस्था को संशोधति कयि है, इसे दो खुराक से घटाकर एक खुराक कर दयि है।
  - इस रणनीतकि समायोजन का उद्देश्य हैजा के टीकाकरण की दक्षता और पहुँच को बढ़ाना है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/cholera-3